वर्ष 1 - अंक 75
शुक्रवार 14 फरवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

1984 के सिख दंगे कांग्रेस प्रायोजित थे: मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। 1984 के सिख दंगे कांग्रेस की साजिश थे और इन दंगों में कांग्रेस के नेता शामिल थे। यह बयान मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिया है। उन्होंने राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा सज्जन कुमार को दोषी ठहराने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह निर्णय लंबे समय से अपेक्षित था। विजयवर्गीय ने दिग्विजय सिंह, अरविंद केजरीवाल और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर भी बयान दिया हैं।प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पार्टी के संभागीय कार्यालय में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि 1984 के सिख दंगे कांग्रेस प्रायोजित थे और इस फैसले से यह साबित हो गया कि कांग्रेस और उसके नेता इन दंगों में शामिल थे। उन्होंने कहा कि इतने बड़े दंगे कराने वाले लोग अभी तक खुलेआम घूम रहे थे, लेकिन अब न्याय मिल रहा है। सिख दंगों में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की भूमिका पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि जो भी दोषी हो, उसे सजा मिलनी चाहिए।

दिग्विजय सिंह द्वारा महाकुंभ की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाने पर विजयवर्गीय ने कहा कि महाकुंभ में स्नान करना ही बड़ी बात है, लेकिन स्नान के बाद भी उन्होंने गलत बयान दिया। कैलाश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोगों पर कितना भी गंगाजल डालो, उनमें कोई परिवर्तन नहीं होता। रणवीर अल्लाहबादी के विवादित वीडियो पर कहा कुछ लोग सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन उनके संस्कार और चरित्रहीनता भी इन्हीं वीडियो से सामने आ जाती है।वहीं दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की राजनीति खत्म होने के सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा कि पॉलिटिक्स में भविष्यवाणी नहीं की जा सकती, लेकिन इतना साफ है कि जनता ने पहचान लिया कि वे सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाले नेता हैं। आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट पर मंत्री कैलाश ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इस समिट के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं और इसका प्रदेश को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि इस समिट से करीब 20 लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है। 1984 सिख दंगों से लेकर राजनीतिक भविष्यवाणियों और इन्वेस्टर समिट तक, कैलाश विजयवर्गीय के इन बयानों ने सियासी हलचल तेज कर दी है।

इंदौर में प्रदेश की मेयर काऊंसिल 17 फरवरी से, प्रदेशभर के महापौर आएंगे, मुख्यमंत्री भी होंगे शामिल

इंदौर। 17 फरवरी को इंदौर में प्रदेश स्तरीय महापौर परिषद का सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव वर्चुअली जुड़ेंगे बतौर मध्यप्रदेश महापौर परिषद के अध्यक्ष होने के नाते पुष्यमित्र भार्गव इस आयोजन की अध्यक्षता करेंगे। दूसरे शहरों के नगरीय निकायों के मेयरों को इंदौर की सैर भी कराई जाएगी। शहर की सफाई व्यवस्था के बारे में जानकारी दी जाएगी। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, ट्रेंचिंग ग्राउंड, गोबरधन प्लांट की सैर भी कराई जाएगी।

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाली बैठक में अखिल भारतीय महापौर परिषद की अध्यक्ष माधुरी पटेल ,राज्य मंत्री प्रतिभा बागरी सम्मिलित होंगी।साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी ऑनलाइन आयोजन में सम्मिलित होंगे और मेयरों से चर्चा भी करेंगे। इस एक दिनी सम्मेलन में शहरों के विकास से जुड़े मुद्दों बजट आवंटन, महापौर के अधिकार बढ़ाने संबंधी विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा स्मार्ट सिटी के नियमों में बदलाव को लेकर भी चर्चा होगी। मेयर को मालवा के प्रसिद्ध व्यंजन भी परोसे जाएंगे। इसके अलावा 56 दुकान की सैर भी कराई जाएगी। इससे पहले देवास में प्रदेश के मेयरों का सम्मेलन हुआ था। इंदौर में तत्कालीन मेयर कैलाश विजयवर्गीय और कृष्णमुरारी मोघे के कार्यकाल में अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन भी हो चुका है।

25 फीसदी तक गाइडलाइन में होगी बढ़ोतरी, 300 से ज्यादा नए स्थान जुड़ेंगे, चुकाना पड़ेगी स्टाम्प ड्यूटी

इंदौर। पंजीयन विभाग ने आगामी वित्त वर्ष की गाइडलाइन तैयार करने की प्रक्रिया मुख्यालय से मिले निर्देशों के तहत शुरू कर दी है। इंदौर में कई ऐसे स्थान हैं जहां पर एक हजार फीसदी से अधिक कीमत पर भी बड़ी जमीनों की रजिस्ट्रियां हुई है। इसके साथ ही विभाग ने उन स्थानों को भी चिन्हित किया है जहां पर इस वित्त वर्ष में सबसे अधिक संख्या में दस्तावेजों का पंजीयन हुआ। 300 से अधिक नए स्थान जुड़ेंगे और कुल 5500 स्थानों पर स्टाम्प ड्यूटी चुकाना पड़ेगी। यानी इन स्थानों पर गाइडलाइन लागू होगी। वहीं विभागीय सूत्रों के मुताबिक लगभग 4 हजार स्थानों पर 25 फीसदी तक गाइडलाइन में इजाफा हो सकता है। अभी 1950 करोड़ रुपए तक का राजस्व 10 फरवरी तक हासिल हो गया है।

अभी भी 700 से अधिक रजिस्ट्रियां रोजाना हो रही है। हालांकि सर्वर की समस्या के साथ पुराने पोर्टल पर रजिस्ट्री करवाने वालों को हफ्ते-दस दिन तक की वेटिंग करना पड़ रही है। वहीं नए सम्पदा-2.0 पोर्टल पर स्लॉट बढ़ाने के साथ रजिस्ट्रियां हो रही ह। वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक शर्मा के मुताबिक 1 अप्रैल 2024 से अभी फरवरी तक 1 लाख 48966 दस्तावेजों का पंजीयन हुआ है, जिसके जरिए 1950.29 करोड़ रुपए की आय हुई है और 4 फीसदी से अधिक गत वर्ष की तुलना में राजस्व वृद्धि भी है। पिछले दिनों भोपाल स्थित मुख्यालय ने गाइडलाइन तैयार करने के जो दिशा-निर्देश भिजवाए उसके मुताबिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन स्थानों को चिन्हित किया है जहां पर चालू वित्त वर्ष में अधिक रजिस्ट्रियां हुई हैं और एआई के जरिए मिले डाटा का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।जिन नई कॉलोनियों-टाउनशिप को विकास अनुमतियां मिली और उनके प्रस्ताव भी आए हैं, ऐसे लगभग 300 से ज्यादा नए स्थानों पर भी गाइडलाइन लागू होगी। वर्तमान में 5150 स्थान हैं, जहां पर गाइडलाइन के मुताबिक रजिस्ट्रियां की जाती हैं। अब आगामी वित्त वर्ष में इन स्थानों की संख्या बढक़र 5 हजार 500 से अधिक हो जाएगी। सूत्रों का यह भी कहना है कि 25 फीसदी तो औसत गाइडलाइन में वृद्धि होगी ही, वहीं जिन स्थानों पर अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां करवाई गई हैं, वहां संभव है 2 से 4 गुना तक भी इजाफा हो जाए। अभी कॉर्पोरेट द्वारा भी इंदौर में जमीनें खरीदी जा रही हैं और पूरा भुगतान एक नम्बर में यानी चेक से किया जा रहा है, जिसके चलते कई स्थानों पर 100 गुना से भी ज्यादा दरों पर रजिस्ट्रियां करवाई गई है। इस बार एआई के साथ-साथ जो मैदानी डाटा विभाग के पास मौजूद है, उसको भी नई गाइडलाइन का आधार बनाया जा रहा है। अधिकांश क्षेत्रों में गाइडलाइन की तुलना में बाजार दर कई गुना अधिक है और इंदौर-उज्जैन रोड के साथ-साथ राऊ बायपास, सुपर कॉरिडोर सहित अन्य क्षेत्रों में अधिक संख्या में रजिस्ट्रियां हुई हैं। पंजीयन विभाग के मुताबिक औसतन 25 फीसदी तक वृद्धि प्रस्तावित की जाएगी। अभी जिला मूल्यांकन समिति की बैठक होगी, जिसमें गाइडलाइन में किए जाने वाले संशोधनों के प्रस्ताव किए जाएंगे और फिर दावे-आपत्ति की भी प्रक्रिया की जाएगी। इसके बाद केन्द्रीय मूल्यांकन समिति भोपाल को ये प्रस्ताव भेजे जाएंगे और वहां से मंजूरी के बाद 1 अप्रैल से नई गाइडलाइन लागू होगी। पंजीयन विभाग का मानना है कि भूखंडों के साथ-साथ खेती की जमीनों में भी अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां कराई गई हैं, जिनमें राऊ नगर पंचायत, मूंडला नायता, नंदन नगर, राधिका पैलेस, सांवेर रोड, बजरंग पालिया, लालपुरा, अमलीखेड़ा, मुरादपुरा, पत्थर मूंडला सहित कई अन्य क्षेत्रों और कॉलोनियों में 1 हजार फीसदी से लेकर 600-400 और 500 फीसदी तक अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। दरअसल, बैंक लोन लेने के साथ-साथ पिछले दिनों कुछ कॉर्पोरेट ने भी इंदौर में जमीनें खरीदी, जिनमें गोदरेज रियलिटी प्रमुख है। इसने सांवेर रोड पर ग्राम शाहना और एबी रोड मांगलिया क्षेत्र में जमीन की बड़ी रजिस्ट्रियां करवाई और लगभग हजार से लेकर 1200 फीसदी गाइडलाइन से अधिक दर पर ये रजिस्ट्रियां हुई हैं, जिससे 10 से 12 करोड़ रुपए का राजस्व पंजीयन विभाग को भी मिला।

1 अप्रैल से इंदौर एयरपोर्ट पर बड़ा बदलाव, रनवे की मरम्मत के लिए 8 घंटे तक बंद रहेंगी उड़ानें

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल 1 अप्रैल से रात 10.30 बजे से सुबह 6.30 बजे के बीच बंद रहेगा। इस दौरान रनवे क्लोजर के कारण उड़ानों का संचालन नहीं हो पाएगा और इस समय में संचालित होने वाली 14 उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इस संबंध में नोटम जारी करते हुए सभी एयरलाइंस को जानकारी दी है। यह बदलाव रनवे की मरम्मत के लिए किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत फरवरी से होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे जनवरी में शुरू नहीं किया जा सका था। अब यह कार्य 15 फरवरी से शुरू होने जा रहा है, जिसमें रात 12 से सुबह 6 बजे के बीच एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन बंद रहेगा। चूंकि यह कार्य शुरू करने में देरी हो चुकी है, एयरपोर्ट अथॉरिटी ने निर्णय लिया है कि 1 अप्रैल से यह काम रात 10.30 बजे से सुबह 6.30 बजे के बीच किया जाएगा। इससे पहले केवल 6 घंटे तक उड़ानें प्रभावित हो रही थीं, लेकिन अब 8 घंटे तक एयरपोर्ट बंद रहेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन ने सभी एयरलाइंस से अनुरोध किया है कि इस अवधि के दौरान जो उड़ानें संचालित हो रही हैं, उन्हें 1 अप्रैल से 10.30 बजे से पहले या सुबह 6.30 बजे के बाद शेड्यूल किया जाए। इस बदलाव के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस की शारजाह उड़ान सहित इंडिगो की दिल्ली, जयपुर, मुंबई, लखनऊ, बेंगलुरु और पुणे की 12 अन्य उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। एयरलाइंस को यह परेशानी हो रही है, क्योंकि उनके लिए अपनी उड़ानों का समय बदलना मुश्किल होगा। इसके लिए उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी से रात 10.30 के बजाय रात 12 बजे तक उड़ानों के संचालन की छूट भी मांगी है।

इंदौर एयरपोर्ट के रनवे की मरम्मत के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सितंबर में टेंडर जारी किए थे और नवंबर में 25 करोड़ रुपए की लागत से यह काम श्रीसांई कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपा गया था। इस काम में रनवे पर डामर की परत को हटाकर नई 8 इंच मोटी परत डाली जाएगी। यह काम रात के समय में होगा, जिससे उड़ानों का संचालन रुक जाएगा। इस मरम्मत कार्य को एक साल में पूरा करने की योजना है। वर्तमान में 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक के लिए रात 10.30 से सुबह 6.30 बजे तक रनवे क्लोजर का आदेश जारी किया गया है, और नवंबर से मार्च तक भी इसे जारी किया जा सकता है।

अब मोबाइल ऐप से निगम करेगा अफसरों की लोकेशन ट्रैक, झूठी जानकारी देने पर होगी कठोर कार्रवाई

इंदौर। इंदौर नगर निगम अब अपने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी नजर रखने के लिए तकनीक का उपयोग करने जा रहा है। इसके तहत एक विशेष मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा, जिससे अधिकारियों की रियल-टाइम लोकेशन निगम के सिस्टम में दर्ज होगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाना है। फिलहाल नगर निगम के अधिकारी अलग-अलग क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं, और उन्हें सुबह जल्दी अपने निर्धारित क्षेत्रों का दौरा करने की जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ अधिकारी भ्रमण के दौरान गलत लोकेशन रिपोर्ट कर रहे थे। वे मोटोरोला सेट के माध्यम से अपनी उपस्थिति एक स्थान पर दिखाते थे, जबकि वास्तव में किसी अन्य स्थान पर होते थे। इस समस्या को समाप्त करने के लिए अब निगम ने नई तकनीक अपनाने का फैसला किया है।

नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि निगम ने मोटोरोला सेट प्रदान करने वाली कंपनी के साथ एक नया एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत निगम अधिकारियों के मोबाइल में इस कंपनी का विशेष ऐप डाउनलोड कराया जाएगा। यह ऐप अधिकारी की वास्तविक लोकेशन को रियल-टाइम में ट्रैक करेगा और नगर निगम के सिस्टम में दर्ज करेगा। इससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि अधिकारी सुबह कितने बजे दौरे के लिए निकले और किस क्षेत्र में कब पहुंचे। इस सिस्टम के विकास पर नगर निगम द्वारा 20 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं, और इसे जल्द ही लागू करने की योजना बनाई गई है। निगम के अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि इस नए सिस्टम में जब कोई अधिकारी अपनी लोकेशन रिपोर्ट करेगा, तो वह जानकारी ऑटोमैटिक रूप से वायरलेस सेट पर भी सभी को सुनाई देगी। इससे निगरानी की दोहरी व्यवस्था लागू होगी और स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

शिवपुरी में बढ़ती अश्लीलता पर बवाल

शहर में बढ़ती छेड़छाड़, अश्लीलता और लव जिहाद के खिलाफ मातृशक्ति दुर्गावाहिनी का विरोध प्रदर्शन। पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, मांग की गई कि धार्मिक स्थलों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। 7 प्रमुख मांगें, जिनमें होटलों-कैफे की निगरानी, मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने और महिला हेल्पलाइन नंबर जारी करने की अपील शामिल।

5 गाड़ियों पर 32 हजार का जुर्माना, ई-चालान जारी

शिवपुरी में स्कूल के छात्रों द्वारा स्टंट करने का वीडियो वायरल छात्रों ने कार की खिड़कियों से लटककर जानलेवा स्टंट किए। पुलिस ने 5 गाड़ियों पर 32,500 का चालान किया और सभी वाहन चालकों को सख्त चेतावनी दी।

संत रविदास जयंती पर भव्य आयोजन

जावराकंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन महापुरुषों की शिक्षाओं को अपनाने और समाज सुधार का संदेश कार्यक्रम में भाजपा नेताओं और संत समाज की विशेष उपस्थिति।

साइबर क्राइम से बचें! अनजान कॉल्स से रहें सतर्क

इंदौर पुलिस का विशेष अभियान, आकाशवाणी के माध्यम से लोगों को किया जागरूक। फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और ऐप्स से ठगी के बढ़ते मामले पुलिस की सलाह – "जागरूक रहें, सतर्क रहें, साइबर अपराधियों से बचें"।

कलेक्टर का बड़ा फैसला - स्कूलों में किताबों और यूनिफॉर्म की जबरन बिक्री पर रोक

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने स्कूलों में मोनोपॉली खत्म करने का आदेश जारी किया अब स्कूल छात्रों को किसी एक दुकान से किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते आदेश का उल्लंघन करने पर स्कूलों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना की सौगात - 6,000 से अधिक परिवारों को मिलेगा घर

96 करोड़ रुपये की लागत से 6,152 आवास स्वीकृत अब तक 2,446 परिवारों को आवास सौंपे गए गरीब और बेघर परिवारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट।

इंदौर की बेटी पलक शर्मा ने जीते 2 स्वर्ण, कुल 3 पदक

38वीं राष्ट्रीय खेल गोताखोरी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार और एकलव्य पुरस्कार विजेता इंदौर और मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया।

अपराधियों का नया निशाना पुलिस अधिकारी भी हुए शिकार!

इंदौर में नकली पुलिस अधिकारी बनकर साइबर अपराधियों ने वीडियो कॉल किया ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देकर ठगी करने की कोशिश इंदौर पुलिस ने जनता को सावधान रहने की चेतावनी दी।

इंदौर के युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज रजत पाटीदार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर के नए कप्तान बनाए गए

विराट कोहली के मना करने और फाफ डू प्लेसिस के टीम से बाहर होने के कारण RCB टीम मैनेजमेंट ने रजत पाटीदार को टीम की कप्तानी सौंपी

संस्था अर्हम इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग पेटलावद में मलेरिया नियंत्रण एवं कुष्ठरोग नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

झाबुआ। जिला स्वास्थ्य समिति (व्ही. बी.डी. सी.पी.) झाबुआ द्वारा संस्था अर्हम इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग, पेटलावद में मलेरिया एवं कुष्ठ रोग नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में राजीव कुमार वैष्णव (कुष्टरोग सहायक) एवं के. भूरिया (मलेरिया निरीक्षक) द्वारा कार्यक्रम को संबोधित किया गया, कार्यक्रम संचालन योगिता सोलंकी द्वारा किया गया जिसमें विद्यार्थियों को मलेरिया एवं कुष्ठ रोग से बचाव के सुझाव दिए गए। इस कार्यक्रम में संस्था के छात्र-छात्रा एवं स्टॉफ मोनिका सोलंकी, नम्रता काग, दिव्या जैन, योगिता सोलंकी, हेमा राठौड़, सत्यवती पोल आदि उपस्थित रहे।

कोलारस थाने पर शांति बैठक की हुई समीक्षा बैठक

वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखकर लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग रात्रि 10 के बाद लगाया प्रतिबंधित

रणजीत टाइम्स (ऋषि गोस्वामी)

कोलारस। कोलारस थाने पर शांति बैठक की हुई समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसमें कोलारस के समस्त डीजे संचालक एवं होटल संचालकों को थाने पर बुलाकर एसडीम अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए लाउड स्पीकर और धोनी विस्तारक यंत्रों के उपयोग को लेकर शिवपुरी जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है जिससे बच्चों की पढ़ाई में बाधा ना हो जारी आदेशानुसार जिले में किसी भी राजनैतिक, सार्वजनिक, वैवाहिक, धार्मिक एवं अन्य कार्यक्रमों में लाउड स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र, डीजे बैण्ड आदि के अनियंत्रित उपयोग से होने वाली जन परेशानी, ध्वनि प्रदूषण व शांति व्यवस्था के हित में मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के अंतर्गत आगामी आदेश तक राजस्व सीमाओं को कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र (सायलेंस जोन) घोषित किया जाता है। इस दौरान विहित प्राधिकारी की लिखित अनुज्ञा के बिना ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे तक पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। किसी आम सभा, जुलूस एवं प्रचार कार्य हेतु लाउड स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग की अनुमति प्रातः 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक दी जा सकेगी। परंतु रात्रि 10 बजे से प्रातः 06 बजे के मध्य किसी भी स्थिति में अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।बिना अनुमति के लाउड स्पीकर, ध्वनि विस्तारक यंत्र, डीजे बैण्ड आदि का उपयोग करने पर या अनुमति के निर्दिष्ट अवधि के पश्चात लाउड स्पीकर ध्वनि विस्तारक यंत्र डीजे बैण्ड आदि का

उपयोग करने की दशा में संबंधित उपकरण जप्त कर लिये जाएंगे। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरूद्ध मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत तथा अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।उल्लेखनीय राज्य में कक्षा 10वीं तथा 12वीं की परीक्षाओं की समय सारिणी जारी की गई है। साथ ही वर्तमान में अन्य विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन परीक्षायें भी संचालित हैं।इसलिए परीक्षार्थियों के लिये परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल वातावरण बनाये रखने एवं परीक्षाओं के सफल संचालन को दृष्टिगत रखते हुये यह आदेश जारी किया गया है। एसडीएम अनुज श्रीवास्तव ने सभी होटल संचालक एवं दिए संचालक को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए गए सभी इस निर्देश का पालन करें सभी अपनी जिम्मेदारी निभाकर जिम्मेदार नागरिक होने का दायित्व निभाएं इस मौके पर एसडीएम श्रीवास्तव तहसीलदार सचिन भार्गव विजय यादव थाना प्रभारी रवि चौहान होटल संचालक डीजे संचालक गणमान्य पत्रकार सहित मौजूद रहे।

Valentine's Day 2025

प्यार किया नहीं जाता हो जाता है

पश्चिमी देशों का पर्व वेलेंडाइन डे जो 14 फरवरी को आता है और इसी के आसपास ही वसंत पंचमी का त्योहार भी आता है। भारत में वसंत पंचमी को प्रेम दिवस भी माना जाता है। भारत में पहले प्यार आलमआरा, संगम, हीर रांझा, सोहनी महिवाल, सिरी फरहाद हुआ करता था और अब तो नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम या ओटीटी हो गया है। एक जमाना था जब प्यार होना बहुत मुश्किल होता था। टेलीफोन की सुविधा हर किसी के पास नहीं थी। पिछले साल भाई की शादी में देखा था उसे अब इस बार दादाजी के नुक्ते में दिखाई दी, सोचा इस बार तो पत्र थमा ही दूंगा।.परंतु ऐसा कम ही हो पाता था। कम से कम 2 साल में इजहार हो पाता था। कई बार एक साल बाद पता चलता था कि उसकी शादी कहीं और हो गई। हालांकि उस दौर में प्यार सचमुच ही प्यार होता था।
अब तो वाट्सएप और फेसबुक का दौर है। पहले ऐसा था कि एक पत्र या प्रेम संदेश को पहुंचाने में बहुत पापड़ बेलना पड़ते थे। कम से कम दो माह लग जाते थे। लेकिन जब से एसएमएस का दौर प्रारंभ हुआ तो प्यार ने थोड़ी स्पीड पकड़ी। फिर उसी के साथ याहू जैसी कंपनियों ने फ्री-चेट सुविधा प्रारंभ की तो और स्पीड बढ़ गई। अब तो वॉट्सऐप और फेसबुक ने तो सबकुछ बदल कर रख दिया। अब तो लिखते लिखते किसी से कब लव हो जाए और कब ब्रेकअप हो जाए कोई भरोसा नहीं क्योंकि स्पीड हाईटेक है। टेक्नॉलाजी ने लड़के और लड़कियों को तुरंत मिलाने में अहम भूमिका निभाई है लेकिन इससे अब भावनाएं पीछे छुटती गई है। परिवार से जुड़ाव पीछे छुट गया है। लोग अब तो ऑनलाइन मंगनी, शादी और तलाक भी करने लगे हैं। आप सोचिए कि जमाना कहां जा रहा है। पहले कहते थे कि चट मंगनी और पट ब्याव। पर, अब कहते हैं- चट ब्याव और पट तलाक और झट पुनः ब्याव। आप सोचिए शादी से बड़ा आयोजन तो प्री-वेडिंग हो चला है अब तो लोग तलाक की भी पार्टी देने लगे हैं। ज्यादातर प्रेमियों का प्यार शादी के बाद रफूचक्कर हो जाता है- यदि ऐसा था तो यह समझे की वह प्यार नहीं बुखार था। जिस तरह नए गाने आते हैं कुछ समय तक उनका खुमार छाया रहता है फिर दूसरे नए गाने आ जाते हैं तो पुराने का खुमार उतर जाता है।
यह कौन जान पाया कि प्यार किसे कहते हैं जिसने किया वह जान पाया? यह भी कौन तय करेगा कि प्यार जिसने किया वही अच्छे से व्यक्त कर पाएगा कि प्यार क्या होता है? हो सकता है कि उसने प्यार नहीं किया हो। जिस भी लड़की या लड़के से उसके संबंध हैं उसके प्रति उसके मन में प्यार हो यह जरूरी नहीं। तब कैसे जाने कि प्यार किसे कहते हैं? फ्रेग मार्क ने कहीं कहा था कि ''सच्चा प्रेम भूत की तरह है, चर्चा उसकी सब करते हैं, देखा किसी ने नहीं।'' हां, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि प्यार किया नहीं जाता हो जाता है।

वैलेंटाइन डे
इस बार कुछ हटके

वैलेंटाइन डे हर कपल के लिए बेहद खास होता है। वीक के पहले दिन यानि रोज डे से कपल्स अपनी सेलिब्रेशन शुरू कर देते है। हर कोई अपने पार्टनर को गुलाब या अलग तरह के फूल देकर उन्हें विश करते है। वैसे तो आप हर बार पार्टनर को फूल देकर उन्हें विश करते होगें लेकिन क्यों न आप इस बार कुछ हटके करें। आज हम आपको अपने रोज डे को स्पैशल बनाने के लिए कुछ हटके और अलग आइडियाज देंगे। आज हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बताने जा रहे है, जिनकी मदद से आप रोज डे को स्पैशल डे बना सकते है।

फूलों का महत्व

हर फूल का अपना ही अलग महत्तव होता है। लाल गुलाब प्यार, जुनून और सुंदरता का प्रतीक है। वहीं पीला दोस्ती, ऑरेंज गुलाब अपनी इच्छा जाहिर करने, पिंक रोज सराहना के लिए, और नारंगी गुलाब मन के मोह और उत्साह को दर्शाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी गलती की माफी मांगना चाहते है तो आप सफेद गुलाब दे सकते है। आप इसे अपने दोस्त के साथ भी सेलिब्रेट कर सकते है।

सरप्राइज बुके मैसेज

आप अपने पार्टनर के लिए इसे स्पैशल बनाना चाहते है तो उन्हें लाल गुलाबों के बुके साथ एक प्यारा सा मैसेज लिख कर भेंजे। मैसेज को आप एक खूबसूरत कोटेशन कार्ड पर लिख दें। आप चाहें तो बुके को स्पैशल बनाने के लिए हर कलर का गुलाब लगवा सकते है।

फोटो से बनाए बुके को स्पैशल

अगर आप पार्टनर के लिए बुके को और भी स्पैशल बनाना चाहती है तो आप बुके में अपनी प्यारी यादों की फोटो लगवाएं। फूलों के साथ आप अपनी यादों को और भी खासबना सकते है।

पार्टनर की पसंद

आप अपने पार्टनर की पसंद जान कर आप उसे बुके साथ दें। पार्टनर की पसंद की चीड को रोज डे पर देकर आप उन्हें खुश कर सकते हैं।

डिनर प्लान

रोज डे पर आप पार्टनर के साथ उनकी पसंद की जगह पर डिनर प्लान बनाएं। आपके साथ इस तरह तरह रोज डे सेलिब्रेशन को वो कभी नहीं भूलेंगे।

ऑनलाइन रोज

अगर आप अपने पार्टनर से दूर है तो आप उन्हें ऑनलाइन फूल भेज सकते है। इसके साथ ही आप पार्टनर के लिए एक प्यारा-सा तोफहा भेजे इससे पार्टनर को आपसे दूर होने का अहसास नहीं होगा।

रोमांटिक म्यूजिक

आप चाहें तो बुके को रोमांटिक म्यूजिक के साथ भी स्पैशल बना सकते है। आप पार्टनर के पसंद के गाने के साथ भी उन्हें रोज डे विश कर सकते है।

गुलाब देकर ही क्यों होती है वैलेंटाइन वीक की शुरुआत

फरवरी महीने में आने वाले वैलेंटाइन वीक की शुरुआत हो चुकी है। यह वीक कपल्स के लिए बेहद ही खास होता है। कई कपल्स अपने गिल की फीलिंग्स को बयां करने के लिए खास मौके का इंतजार करते हैं। इस महीने आशिकों को कई इम्तिहान से होकर गुजरना पड़ता है। जिसका पहला पेपर रोज डे और आखिरी पेपर वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी होता है। इम्तिहान के पहले दिन कपल अपने पार्टनर को गुलाब का फूल देकर अपने प्यार का इजहार करते हैं। गुलाब खुद में प्यार को दर्शाता है इसे देने के बाद कुछ और कहने की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन क्या आपने सोचा कि आखिर गुलाब देकर ही क्यों वैलेंटाइन वीक की शुरुआत होती है। इस फूल की जगह कोई और फूल क्यों नहीं।

गुलाब का दिन क्यों हुआ शुरू

रेड रोज प्यार और सम्मान का प्रतीक होता है और लाल रंग गहरे प्यार को दर्शाता है। कपल्स जब अपने प्यार का इजहार करते हैं तो वह लाल रंग का गुलाब जरूर खरीदते हैं। आपको बता दें कि गुलाब का खास संबंध मुगल काल से है। ऐसा कहा जाता है कि मुगल बेगम नूरजहां को लाल रंग के गुलाब से बेहद ही पसंद थे। नूरजहां को खुश करने के लिए मुगल शासक जहांगीर रोज उन्हें 1 ताजा गुलाब भेंट स्वरूप भेजा करते थे। इसके अलावा महारानी विक्टोरिया ने अपने पति प्रिंस अल्बर्ट से प्यार का इजहार करते वक्त गुलाब का गुलदस्ता उपहार स्वरूप भेंट किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार महारानी विक्टोरिया के समय से ही रोज डे सेलिब्रेट किया जा रहा है।

आखिर लाल गुलाब ही क्यों

फूलों में लाल गुलाब को बेहद ही सुंदर माना जाता है। गुलाब को उपहार के रूप में इसलिए दिया जाता है क्योंकि इसकी महक ना सिर्फ लोगों को आकर्षित करती हैं बल्कि रिश्तों में भी महक बनी रहती है। ऐसे में प्यार के वीक को स्पेशल और खास बनाने के लिए इस वीक की शुरुआत गुलाब से की जाती है। ऐसे में आप अपने लव पार्टनर को स्पेशल फील कराने के लिए गुलाब का फूल दे सकती हैं।

वैलेंटाइन डे पर रेड नहीं बल्कि इन कलर आउटफिट्स को करें वियर

वैलेंटाइन डे हर किसी के लिए खास होता है। इस दिन कपल बाहर जाने का प्लान बनाते हैं, जिसके लिए वो कॉन्ट्रास्ट या फिर मैचिंग आउटफिट को वियर करते हैं, ताकि उसे दिन वो अलग और स्पेशल लगे। लेकिन इस बार आप रेड कलर नहीं बल्कि आर्टिकल में बताए गए इन ट्रेंडी कलर को वियर करें। वैलेंटाइन डे के लिए ये भी काफी अच्छे लगते हैं और सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव लगते हैं।

पर्पल कलर आउटफिट्स

इस वैलेंटाइन डे पर आप पर्पल कलर के आउटफिट्स को वियर कर सकती हैं। ये कलर भी काफी अच्छा लगता है। इसमें आपको काफी अच्छे-अच्छे डिजाइन मिल जाएंगे। आप इस कलर में कट ऑफ ड्रेस को वियर कर सकती हैं। आजकल कट ऑफ ड्रेस काफी ट्रेंड में भी है। ये आपको सीक्वेंस वर्क, मिरर वर्क यहां तक की प्लेन कपड़े में भी मिल जाएगी। जिसे स्टाइल करके आप लुक को परफेक्ट बना सकती हैं। मार्केट से आप इसके अलावा लॉन्ग गाउन, क्रॉप टॉप जींस और टॉप और स्कर्ट को भी वियर कर सकती हैं।

डार्क ब्लू कलर करें वियर

आप इस वैलेंटाइन पार्टी या फिर डेट के लिए डार्क ब्लू कलर ड्रेस को वियर कर सकती हैं। यह कलर काफी अट्रैक्टिव (शरारा सूट डिजाइन) लगता है साथ ही वियर करने के बाद आपको खूबसूरत और लंबा दिखाता है। इस कलर को अगर आप नाइट पार्टी में वियर करेंगी तो और भी ज्यादा सुंदर लगेंगी। इसमें आप साटन ड्रेस को खरीद सकती हैं, वरना आप चाहे तो वेलवेट कपड़े से तैयार की गई ड्रेस को भी वियर कर सकती हैं।

ब्लैक कलर ड्रेस

हर किसी का फेवरेट कलर होता है ब्लैक कलर इस वैलेंटाइन डे पर आप इस कलर को भी वियर कर सकती हैं। ये स्टाइलिश (डेनिम आउटफिट्स) के साथ-साथ काफी अट्रैक्टिव कलर होता है। इसलिए आप इसे भी अपने पार्टनर के साथ डेट पर जाने के लिए वियर कर सकती हैं। इसमें आपको ब्लैक ड्रेस, टॉप, गाउन, स्लिट कट ड्रेस भी वियर कर सकती हैं।

इन कलर को भी करें वियर

इन कलर के अलावा आप चाहे तो ग्रीन, येलो, पिंक और वाइन कलर को वियर कर सकती हैं। इस कलर की ड्रेस भी काफी अच्छी लगती हैं। इन्हें वियर करके आप भी काफी सुंदर लगेंगी, साथ ही आपका डे भी काफी अच्छा जाएगी। इसलिए आपको भी रेड कलर के अलावा इन कलर को वियर करें।

सावन में बहुत सी बेल-बूटियां पैदा होती हैं, जिनमें से कई तो विशाल वृक्षों से लिपटती हुई उनसे भी ऊंची उठ कर इतराने लगती हैं, पर सभी जानते हैं कि कार्तिक-माघ माह आते-आते हरित सर्पणियों सरीखी ये लताएं प्राणविहीन होने लगती हैं। कारण ढूंढें तो सामने आता है कि वृक्षों के विपरीत इन लताओं की जड़ें गहरी नहीं होतीं। देश की राजनीतिक सनसनी कहे जाने वाली आम आदमी पार्टी भी लगभग उसी मार्ग पर चलती दिखाई दे रही है, जो दीपावली के राकेट की तरह एकदम उठी और कुछ देर रोशनी बिखेर कर आज उतनी ही गति से नीचे आ रही है। दिल्ली जहां पार्टी का श्रीगणेश हुआ वहां पार्टी को कमरतोड़ पराजय का सामना करना पड़ा है। केवल पार्टी ही चुनाव नहीं हारी बल्कि उन बड़े चेहरों को भी जनता ने घर का रास्ता दिखा दिया है जो पार्टी का चेहरा माने जाते हैं। और तो और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल भी हार गए। 'आप' आज आपदाकाल से गुजर रही है यानि कह सकते हैं कि बेल पीली पड़ रही है। लेकिन इस आपदाकाल को आत्मज्ञानकाल बना लिया जाए तो बेल को पूरी तरह झुलसने से बचाया जा सकता है।

आम आदमी पार्टी का आपदाकाल...

राकेश सैन

सबसे बड़ी बात तो यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी दल या संगठन को अलोकतांत्रिक पद्धति से नहीं चलाया जा सकता। परन्तु देखने में आता है कि 'आप' में आतंरिक लोकतंत्र का पूरी तरह अभाव है। गठन के पहले दिन से ही श्री केजरीवाल ने पार्टी को आत्मकेन्द्रित करना शुरू कर दिया। पार्टी जन्म से लेकर आज तक केवल वो ही राष्ट्रीय संयोजक के पद पर चले आ रहे हैं। अंदर से उन्हें किसी से चुनौती न मिले इसके लिए उन्होंने सबसे पहले अपने उन साथियों को किनारे करना शुरू कर दिया जो अन्ना आंदोलन में उनके साथ रहे। जनरल वीके सिंह, किरण बेदी, कुमार विश्वास, आशुतोष गुप्ता, योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण आदि आदि बहुत से लोगों की लम्बी श्रृंखला है जो केजरीवाल के व्यवहार के कारण उनका साथ छोड़ते गए। राष्ट्रीय स्तर पर लोकपाल का वायदा करके आई 'आप' ने अपने आंतरिक लोकपाल सेवानिवृत एडमिरल रामदास के साथ जो व्यवहार किया वह पूरे देश ने देखा। होली-होली आंदोलनकारी दूर हटते गए और सत्ताजीवी लिपटते गए। समय-समय पर वे लोग 'आप' का साथ छोड़ गए जो देश में नई तरह की राजनीति करने एक मंच पर आए थे। केजरीवाल विभव कुमार जैसे उन चापलूसों व संदिग्ध लोगों से घिर गए जो मुख्यमंत्री निवास पर भी पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल जैसी वरिष्ठ नेताओं से दुर्व्यवहार करने से नहीं झिझकते। इन 13 वर्षों में केजरीवाल की छवि संयोजक की बजाय पार्टी के मालिक की बन गई और 'आप' लोगों को कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस सरीखी कुनबावादी पार्टी लगने लगी। अगर मालिकाना हक वाली सोच न होती तो क्या कभी केजरीवाल अपनी ही पार्टी की मुख्यमंत्री आतिशी को 'टेम्परेरी सीएम' कहने का दुस्साहस करते? अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी को मुख्यमंत्री बना कर केजरीवाल ने उन्हें जो अस्थाई मुख्यमंत्री कहा वह

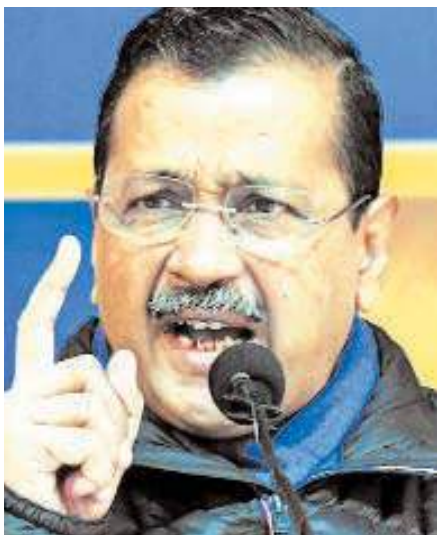

अपने आप में अति अशोभनीय था जिसका बहुत गलत संदेश गया। दूसरी ओर अपने जन्म के 13 साल बाद भी 'आप' अपना वैचारिक आधार नहीं बना पाई। स. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर लगे आरोपों के चलते देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जनाक्रोश पनपा हुआ था और इसी का लाभ उठा कर आम आदमी पार्टी अस्तित्व में आई परन्तु अपनी किशोर अवस्था आने से पहले ही नई नवेली पार्टी इन्हीं आरोपों में घिर गई। पुलवामा में आतंकी हमला हो या भारतीय सेना की पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई केजरीवाल व उनकी पार्टी कभी भी देश के साथ खड़े दिखाई नहीं दिए। पार्टी में वैचारिक भटकाव इतना कि कभी तो लेफ्ट चलते दिखी तो कभी राइट, कभी उलटी तो कभी सीधी। केन्द्र से टकराव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अन्धविरोध पार्टी की एकमात्र विचारधारा बन गई। इसके लिए झूठ-फरेब, षड्यंत्र-अफवाहें, नाटक-नौटंकी सबकुछ आजमाया गया। तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए केजरीवाल कांग्रेस के ही बहरूपीए नजर आने लगे। कांग्रेस की ही दुर्दशा देख कर केजरीवाल को समझ जाना चाहिए था कि वैचारिक आधार के बिना या वैचारिक भटकान से उनका भी एक न एक दिन वही हश्र होगा जो कांग्रेस का हुआ है। 'आप' के पुनरुथान के लिए केजरीवाल को देश की माटी और जनमानस से जुड़े विचारों, सिद्धांतों को पार्टी की विचारधारा बनाना होगा और उन पर चलते हुए दिखना भी होगा। तभी उनका व उनके दल का कल्याण सम्भव है। एक निश्चित विचारधारा के चलते ही आज वो भारतीय जनता पार्टी सफलता की सीढ़ियां दर सीढ़ियां चढ़ती दिखाई दे रही है जिसके कभी दो ही सांसद हुआ करते थे। बिना विचारों के चाहे कोई संगठन सामयिक मुद्दों पर एक-दो बार सफलता हासिल कर ले परन्तु वह ज्यादा समय चल नहीं पाता। दूसरी तरफ वैचारिक संगठन कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी पूरी तरह समाप्त नहीं होते। वैचारिक आधार वाले भाजपा व वामपंथी दल इसके उदाहरण हैं जो ऊपर-नीचे तो होते हैं परन्तु हाशीए पर नहीं जाते। देश की राजनीति में अगर लम्बा सफर तय करना है तो 'आप' को भी अपनी कोई न कोई विचारधारा समाज के सामने रखनी होगी। केजरीवाल अगर ईमानदारी को अपनी विचारधारा बताते हैं तो उन्हें अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों का दृढ़ता से सामना करना होगा। ईमानदारी साबित करने के लिए किसी तरह की सर्कस करने से बचना होगा। राजनीति में इस तरह के आरोप बहुत बड़ी बात नहीं, भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी पर भी हवाला घोटाले में शामिल होने के आरोप लगे, परन्तु उन्होंने राजनीतिक शूचिता का उदाहरण पेश करते हुए तत्काल यह घोषणा कर दी कि जब तक वे दोषमुक्त नहीं होते वे कोई पद ग्रहण नहीं करेंगे। इतिहास साक्षी है कि आरोपमुक्त होने के बाद वे अपने नेतृत्व में भाजपा को कहां से कहां तक ले गए। अगर शराब घोटाले के आरोप लगने के बाद केजरीवाल भी ऐसा साहस दिखाते तो आज दिल्ली के चुनाव परिणाम वह नहीं होते जो आज उन्हें देखने पड़ रहे हैं।

इंदौर में छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों की भलाई के लिए समृद्ध वातावरण बनाने की दिशा में कार्यशाला

इंदौर महापौर भार्गव एवं आयुक्त वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर नगर निगम (आईएमसी) और इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड (आईएससीडीएल) ने छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों के अनुकूल इंदौर की कल्पना के लिए बहु-क्षेत्रीय हितधारकों को एक साथ लाते हुए एक सम्मेलन का आयोजन किया। नर्चरिंग नेबरहुड्स 2.0 के तहत, शहर में समृद्ध वातावरण बनाना है ताकि शहर में छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों की भलाई सुनिश्चित हो सके। नर्चरिंग नेबरहुड्स 2.0 (एनएन2.0) डब्ल्यूआरआई इंडिया के तकनीकी सहयोग से आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और वैन लीयर फाउंडेशन द्वारा समर्थित एक पहल है। नर्चरिंग नेबरहुड्स चैलेंज (एनएनसी) के तहत एक विजेता शहर है, जो छोटे बच्चों के लिए आयु-विशिष्ट प्रकृति-आधारित खेल के अवसरों के साथ पार्क और आंगनबाड़ियों का विस्तार कर रहा है। सामुदायिक समर्थन के माध्यम से, शहर कमजोर पड़ोस में कम उपयोग किए गए अवशिष्ट स्थानों को मनोरंजक सार्वजनिक स्थानों में बदलने में सक्षम था। हालांकि इन प्रयासों से शहर में छोटे बच्चों पर केंद्रित सार्वजनिक स्थानों को सक्षम बनाने में मदद मिली, लेकिन ये स्थान पूरी तरह से देखभाल करने वालों की जरूरतों को पूरा नहीं कर रहे थे। चूंकि छोटे बच्चे देखभाल करने वालों के साथ अपनी बातचीत से सीधे प्रभावित होते हैं, इसलिए शहर के लिए यह महत्वपूर्ण है कि छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों की समग्र भलाई को एक साथ सक्षम किया जाए। आगे बढ़ते हुए, शहर का लक्ष्य उत्तरदायी देखभाल प्रथाओं, सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार को प्रोत्साहित करने और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक स्थानों तक पहुंच में सुधार करके छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों की भलाई में सुधार और मुख्यधारा बनाना है।

इसके लिए डेटा-आधारित योजना और अधिकारियों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की समर्पित क्षमता निर्माण की आवश्यकता होगी। इसे इन लक्षित उपयोगकर्ता समूहों के लिए काम करने वाले सामुदायिक समूहों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज संगठनों के समर्थन की आवश्यकता होगी। कार्यशाला का उद्देश्य इन हितधारकों को रणनीतियों पर विचार-मंथन करने और छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों की भलाई सुनिश्चित करने के अपने दृष्टिकोण को प्राप्त करने की दिशा में एक रोडमैप बनाने के लिए एक साथ लाना था। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने विभिन्न व्यावहारिक गतिविधियों में भाग लिया, जिससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि इंदौर को परिवार के अनुकूल बनाने में वे क्या भूमिका निभा सकते हैं। शिवम वर्मा आईएएस, आयुक्त, आईएमसी, ने कहा, ÷इंदौर नगर निगम विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शहर में छोटे बच्चों पर केंद्रित लेंस से ब्लू-ग्रीन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है। इस दृष्टिकोण का लाभ छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों की भलाई के लिए खुली जगहों को बेहतर बनाने के लिए उठाया जा सकता है। पोषण पड़ोस पहल के तहत, इंदौर देखभाल करने वालों और छोटे बच्चों के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए पड़ोस को बदल सकता है। इससे शहर में महिलाओं और बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, और इस तरह हमारा शहर सुरक्षित, समावेशी बन जाएगा। प्ले बस/जिज्ञासा रथ और बढ़ईगीरी कार्यशाला के साथ, चंचल और हरा-भरा स्केलेबल विचारों को लागू करने के लिए शहर की क्षमता का प्रदर्शन किया है, अब हमें शहर में दीर्घकालिक रूप से इस योजना दृष्टिकोण को मुख्यधारा में लाने की दिशा में रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है। ÷

आईएससीडीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिव्यांक सिंह आईएएस ने कहा, ÷एनएनसी के तहत, इंदौर ने छोटे बच्चों और देखभाल करने वालों के अनुकूल सार्वजनिक स्थानों को सफलतापूर्वक बढ़ाया है। इसने उमंग वाटिका नामक सभी आयु क्षमता पार्क विकास कार्यक्रम भी लॉन्च किया है। सर्व-क्षमता पार्क दिशानिर्देशों और पार्क डिजाइन दिशानिर्देशों ने शहर को लंबी अवधि में इस दृष्टिकोण को संस्थागत बनाने और विभिन्न परियोजनाओं में एकीकरण सुनिश्चित करने में मदद की है। आगे बढ़ते हुए, हमें इन सार्वजनिक स्थानों की योजना में देखभाल करने वालों और छोटे बच्चों की भलाई को भी शामिल करने की आवश्यकता है।

गुजरात में दर्दनाक सड़क हादसा
तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से जैन आर्यिका श्रुतमति माताजी का निधन

गुजरात। दाहोद में एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में जैन आर्यिका श्रुतमति माताजी और एक श्रावक का तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से निधन हो गया। यह घटना गुरुवार सुबह करीब 7 बजे की है, जब माताजी विहार कर रही थीं। घटना की भयावहता इस बात से स्पष्ट होती है कि टक्कर के बाद वाहन ने माताजी को लगभग 300 मीटर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। माताजी मुंबई से आचार्य भगवंत के दर्शन के लिए विहार कर रही थीं और मात्र 36 वर्ष की थीं। इस दर्दनाक घटना की जानकारी मिलते ही जैन समाज में गहरा शोक और आक्रोश फैल गया। आचार्य सुनील सागर जी महाराज ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और कड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की कि जब तक दोषी की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, वे किसी भी प्रकार का आहार या जल ग्रहण नहीं करेंगे। जैन समाज के प्रमुख संगठनों ने इस घटना पर तीव्र नाराजगी जाहिर की है। वीर जिनशासन एकता संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू और विश्व जैन संगठन के मयंक जैन ने गुजरात सरकार से मांग की है कि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। जैन समाज ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस घटना के बाद समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है और देशभर के जैन अनुयायी न्याय की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आर्यिका श्रुतमति माताजी, आचार्य सन्मति सागर जी महाराज से शिक्षित थीं और आचार्य सुनीलसागर जी की शिष्या थीं। इस हृदयविदारक हादसे से न केवल गुजरात बल्कि इंदौर सहित पूरे देश के समूचे जैन समाज में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई है।